گرانٹ دیتی ہیں۔ ضرورت اس بات کی ہے
کہ مرکزی سرکار کی سطح پر ایک
مائناریٹیز فائننس کارپوریشن بنایا جائے اور
پھر ہر اسٹیٹ میں مائناریٹیز فائننس
کارپوریشن بنائے جائیں اور جتنی امداد
وہاں کی ریاستی حکومت دیتی ہے اتنی
ہی میچنگ گرانٹ مرکزی حکومت
سے بھی وہاں کے اسٹیٹ مائناریٹیز
فائننس کارپوریشن کو دی جا سکے تاکہ
جن اغراض و مقاصد کے تحت یہ
مائناریٹیز فائننس کارپوریشن بنائے گئے ہیں ان
اغراض و مقاصد کی تکمیل ہو

میں اس اسپیشل مینشن کے ذریعے
حکومت ہند سے پرزور مطالبہ کروں گا
کہ وہ انتہائی ہمدردانہ غور کرتے
ہوئے اس مسئلے کی طرف توجہ
دے گی اور جلد سے جلد مرکزی سطح
پر اور ہندوستان کی تمام ریاستوں
میں ریاستی سطح پر اس قسم
کی مائناریٹیز فائننس کارپوریشن
بنائے گی تاکہ یہ مائناریٹیز کی
فلاح و بہبود کیلئے کام کیا جائے
اور انکے جو بے روزگار اور تعلیم
یافتہ نوجوان ہیں۔ وہ مائناریٹیز
فائننس کارپوریشن سے قرضے حاصل
کر سکیں اور صنعتوں اور کاروبار
میں لگا کر ترقی کر سکیں

شکریہ

Police Atrocities on Journalists

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपको पहले ही हृदय से धन्यवाद देती हूं कि आपने मुझे विशेष उल्लेख के द्वारा एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे को यहां उठाने का अवसर दिया है। माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, आज हमारे देश में हालात जिस तेजी से बिगड़ रहे हैं, कानून और व्यवस्था के बिगड़े हालात में, देश में लोकतंत्र नाम की कोई चीज़ नहीं रही और हमले हो रहे हैं, बुद्धिजीवियों पर, जन-प्रतिनिधियों पर, महिलाओं पर, हरिजनों पर और शोषित वर्ग के नागरिकों की तो हत्याएं हो रही हैं। उनकी संपत्ति को लूटा जा रहा है और उन को जिंदा जलाया जा रहा है।

महोदय, आज देशभर में, चाहे देश की राजधानी दिल्ली हो, हरियाणा हो सब जगह हालात बिगड़ते जा रहे हैं और इन बिगड़ते हालात में कोई भी देशभक्त नागरिक चुप नहीं रह सकता। मान्यवर, ऐसे में राष्ट्र हित में अपनी आवाज उठाने के लिए, लोकतंत्र की रक्षा के लिए और मानवीय मूल्यों की सुरक्षा के लिए जब संस्थाएं सामने आती हैं तो अपना विरोध दुर्व्यवस्था के खिलाफ जाहिर करती है। लेकिन जिस तरह से यह सरकार लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन कर रही है, मैं उसकी तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं।

महोदय, देश के अस्तित्व और लोकतंत्र की रक्षा के लिए, शांतिपूर्ण संघर्ष और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए 21, 22 और 23 अप्रैल को निरंतर सत्ता सुख में सोई इस विकलांग सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए युवक कांग्रेस छात्र संगठन और अन्य युवा संगठनों ने जब प्रदर्शन कर आवाज उठायी तो पुलिस द्वारा उन पर बर्बर हमला किया गया और जान से मारने की कोशिश की गयी। मान्यवर, उस प्रदर्शन और उस पर होने वाले हमले को कवर करने के लिए जब पत्रकार और प्रेस फोटोग्राफर पहुंचे तो उन पर भी सुनियोजित ढंग से हमला किया गया। जैसे पहले पत्रकारों पर हमला किया जाता रहा है, वहां भी पुलिस ने बर्बर हमला किया और उन को काफी मारा-पीटा। पुलिस की कार्यवाही के हिंसक चित्र लेते हुए प्रेस फोटोग्राफरों के सिर फोड़ दिए गए और पत्रकारों को घायल कर दिया। मान्यवर, जैसा कि आज के समाचारपत्रों में लिखा हुआ है पेट्रियॉट के फोटोग्राफर राजीव चोपड़ा के सिर में गंभीर चोट लगी और वह बेहोश हो गए। हिंदुस्तान टाइम्स की महिला पत्रकार आरती भार्गव के साथ पुलिस ने हाथा-पाई की

और मार-पीट कर उसे सड़क पर डाल दिया उनके हाथों में चोट लगी। मान्यवर, इस बर्बर हमले का नेतृत्व संसद मार्ग के एक सहायक पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त थानाध्यक्ष कर रहे थे। उन्होंने पत्रकारों को देख लेने की धमकी भी दी है। पत्रकारों और फोटोग्राफर्स पर लगातार कुछ दिनों से हिंसक हमले हुए हैं और इन हमलों में ये दोनों अधिकारी विशेष रूप से भाग लेते रहे हैं। जैसा कि ज्ञात हुआ है फोटोग्राफर संजय शर्मा, नवभारत टाइम्स के ए० के० लश्कर और पेट्रियॉट के राजीव चोपड़ा, वीर अर्जुन के फोटोग्राफर सुभव राजधानी में ही पुलिस जुल्म के शिकार हो चुके हैं। इसी प्रकार गत दिनों जब शास्त्री भवन में आग लगी थी तो वहां पर जो प्रेस फोटोग्राफर पहुंचे और पत्रकार रिपोर्ट लेने के लिए वहां पहुंचे तो वहां से उन को मार-पीटकर भगा दिया गया। उनको वहां नहीं घुसने दिया गया। हालांकि इसके बाद पुलिस के अभद्र व्यवहार के लिए उपराज्यपाल ने पत्र प्रतिनिधियों से माफी मांगी। इसी प्रकार से हरियाणा के मेहम में पहुंचे पत्रकारों के ऊपर जानलेवा हमला किया गया। उनके ऊपर इतने हिंसक हमले किए गए कि उनके सिर फूट गए और वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

महोदय, यह अत्यंत चिंता की बात है कि ये हमले सरकारी संरक्षण में होते हैं। मान्यवर, मैं पूछना चाहती हूं कि पुलिस द्वारा पत्रकारों, फोटोग्राफरों पर जो हमले किए जा रहे हैं और सरकार द्वारा जो प्रसार भारती बिल लाया जा रहा है, क्या उसका सरकारी स्वरूप यही है? क्या इसी तरह से हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खूनी हमला किया जाएगा? मैं इन खूनी हमलों की निंदा करते हुए सरकार से मांग करती हूं कि इस तरह से जो पुलिस अधिकारियों और सरकार का जो सुनियोजित षडयंत्र है, उसको बन्द किया जाए और प्रेस की आजादी को बहाल किया जाए।

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश): मान्यवर, फोटोग्राफर्स और पत्रकारों के साथ जो पुलिस ने ज्यादती की है, उसकी जितनी भर्त्सना की जाए, कम है। मैं मांग करता हूं कि ऐसे पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए।

SHRI KAPIL VARMA (Uttar Pradesh): This relates to the atrocities on journalists. I associate myself with this. This is the fifth attack on journalists in Delhi in last one week and the journalists are not being given any protection. We have been assured from time to time on the floor of the House in reply to our questions and on other forums also that protection will be given to journalists but even journalists belonging to important papers are being beaten up. The Government must come out with a statement on what it is doing to give protection to journalists. The photographers and correspondents were manhandled yesterday. It is most condemnable. I demand from the Government an immediate statement and immediate action against all those police officers who were responsible for atrocities against journalists. This Government cannot exist if it tries to demolish the Fourth Estate. I am sure the Minister will take notice of this and make a statement.

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): We do not want to be lectured like this.

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश): उपाध्यक्ष महोदय, यह जन-प्रतिनिधियों के साथ हो रहा है, अखबार वालों के साथ हो रहा है। हम लोग इसको कंडेम करते हैं और इस स्पेशल मेंशन के साथ एसोसिएट करते हैं।

उपसभाध्यक्ष (डा० बापू कालदाते): ठीक है, हो गया। श्री बसन्त कुमार दास।

Destruction of Green Forests in Kalahandi district of Orissa

SHRI BASANT KUMAR DAS (Orissa): My submission is regarding Kalahandi District, but before that I want to associate myself with the submission made by Mr. Manmohan Mathur who hails from my State regarding disruption of railway line from Raipur to Waltair and I urge upon the Government to expedite the process and restore the railway line accordingly.

Sir, my submission is regarding Kalahandi district. As you know, Sir, Kalahandi district is drought-affected, poverty-stricken and the starvation deaths are plenty there. This area is primarily dominated by the traditional tribals. They seek their livelihood out of the jungle.